



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा

जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

F.No.PRO/27

22nd January 2024

Greetings from Central University of Gujarat

भारत की आस्था के आधार है राम : प्रो. रमाशंकर दूबे

- अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सीयूजी में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

गांधीनगर। भारत की धर्म परायण जनता के लिए श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का शुभ दिन एक लंबे संघर्ष का फल है। भारतीय जनमानस में रचे-बसे प्रभु श्री राम का इंतजार वृद्ध जटायु, माता अहिल्या और माता शबरी को भी करना पड़ा था। लेकिन करीब 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद हम राम मंदिर के निर्माण का साक्षी बने हैं। यह हम सभी के लिए गौरवमयी पल है। ये कहा गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने। सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ दिन पर गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में हनुमान चालीसा और श्री राम स्तुति का सामूहिक पाठ किया गया। सीयूजी के छात्र-छात्राओं ने भगवान राम के भजनों की प्रस्तुती दी। कार्यक्रम के बीच में ही अयोध्या से राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण भी देखा गया। शाम को विश्वविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं और संकाय सदस्यों ने सेक्टर 29 से सेक्टर 30 स्थित परिसर तक शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के बाद सेक्टर 30 स्थित परिसर में ही भजन संध्या और महाआरती की गई। दौरान “राम मंदिर-राष्ट्र मंदिर” नामक विषय पर बतौर मुख्य वक्ता प्रो. दूबे ने अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि विगत सैकड़ों वर्षों का इंतजार आज पूरा हो गया है। आखिरकार वो शुभ घड़ी आ गई जिसका सभी को इंतजार था। जिस प्रकार देश की आजादी में सैनिकों ने अपने प्राण न्योछावर किये थे, वैसे ही राम मंदिर के निर्माण का स्वप्न देखने वाले कई भक्तों ने भी अपने प्राणों की आहुति दी थी, तब जाकर यह दिन देखने को मिला है। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि भगवान राम में संपूर्ण राष्ट्र का चरित्र व्याप्त है। भगवान के राज्याभिषेक के दिन ही उन्हें जब यह भी सूचना मिली कि उन्हें 14 वर्ष के लिए वन में जाना है तो उन्होंने सहर्ष इसे स्वीकार किया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि भारत कोई भूमि का टुकड़ा नहीं है वो संस्कृति से ओतप्रोत एक जीता जागता राष्ट्रपुरुष है। यह वंदन और अभिनंदन की भूमि है। भारत भूमि पर राम ने अवतार लिया। हमारे राष्ट्र की संस्कृति धर्म एवं अध्यात्म प्रधान रही है। हमारी संस्कृति में भौतिकता एवं आध्यात्मिकता का समन्वय रहा है। धर्म, अर्थ,



एक कदम स्वच्छता की ओर

सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोन नं.- 07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No. 8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in



15 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा

जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

काम और मोक्ष में धर्म एवं मोक्ष हमें आध्यात्मिकता का दर्शन देते हैं। इसके अलावा विश्व में कोई संस्कृति नहीं है जो लोक व परलोक दोनों के दर्शन करवाती हो। समय अंतराल के बाद सभ्यताएं समाप्त हो जाती हैं लेकिन हमारी सनातन संस्कृति का प्रवाह हमेशा चलता रहा है। पूरे भारतवर्ष में राम जन-जन व कण-कण में बसे हैं। भारत की आस्था के आधार प्रभु राम का चरित्र हमारे जनमानस को एक उत्कृष्ट व्यक्ति बनाने के लिए संकल्पित करता है।

जहां राम वहां धर्म

प्रो. दूबे ने कहा कि जहां राम बसते हैं वही धर्म है। इसे ही राष्ट्र के परिप्रेक्ष्य में देखें तो हम पाएंगे कि राम और राष्ट्र अलग-अलग नहीं हैं। राम मंदिर जहां बना है वो नगरी नहीं धाम है। अयोध्या का राम मंदिर हमारी सनातन संस्कृति का प्रतीक है। वो केवल राम का मंदिर नहीं राष्ट्र का मंदिर है। इसलिए वो राम मंदिर न होकर राष्ट्र मंदिर है। भारतीय संस्कृति के सभी उत्तम मूल्यों की झलक प्रभु श्री राम में हम पाते हैं। अपने उद्बोधन में उन्होंने भगवान राम के जीवन चरित्र से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी। राम जैसे मर्यादा पुरुषोत्तम के जीवन से हमें सीख कर विकसित भारत के स्वप्न को पूरा करना होगा।

The foundation of India's faith is Ram: Prof. Rama Shanker Dubey

Various programs organized at CUG on the consecration of Shri Ram Temple in Ayodhya

Gandhinagar. The auspicious day of the consecration of Shri Ram Temple is the result of a long struggle for the devout people of India. The anticipation of Lord Shri Ram, deeply ingrained in the Indian psyche, required patience from venerable Jatayu, Mother Ahilya, and Mother Shabari. However, after a prolonged struggle of about 500 years, we have become witnesses to the construction of the Ram Temple. This is a proud moment for all of us. This was stated by Prof. Rama Shanker Dubey, Vice-Chancellor of Central University of Gujarat (CUG). Various programs were organized at CUG on Monday to mark the auspicious day of the consecration of the Ram Temple in Ayodhya.



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोन नं.- 07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No. 8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

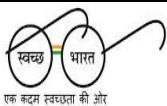
डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

The program commenced with the collective recitation of the Hanuman Chalisa and the Lord Shri Ram Stuti. Students of CUG presented devotional songs dedicated to Lord Ram. During the program, a live broadcast of the consecration of the Ram Temple from Ayodhya was also shown. In the evening, all the students and university fraternity took out a procession from Sector 29 to Sector 30. After the procession, a devotional evening and grand aarti were performed in Sector 30 campus. Prof. Dubey, as the speaker on the topic "Ram Temple - National Temple," expressed his thoughts. He said that the wait of several centuries has finally come to an end today. The long-awaited moment has arrived, like the sacrifices made by soldiers for the country's independence. Many devotees who dreamt of the construction of the Ram Temple also sacrificed their lives, and today we are fortunate to witness this day. Prof. Dubey addressed the gathering, stating that the character of Lord Ram encompasses the entire nation. On the day of his coronation, when Lord Ram learned that he had to go to the forest for 14 years, he accepted it willingly. Former Prime Minister Atal Bihari Vajpayee had said that India is not just a piece of land; it is a nation that, rooted in culture, is a world leader. It is a land of reverence and celebration. Lord Ram took incarnation on the land of India. Our culture has been centered around religion, spirituality, and art. In addition to religion and salvation, our culture provides us with a glimpse of both the material and spiritual worlds. After intervals of time, civilizations come to an end, but the flow of our ancient culture has always continued. Ram resides in every heart and corner of India. The character of Lord Ram, the basis of India's faith, is determined to make every individual an exemplary person.

Where there is Ram, there is Dharma

Prof. Dubey said that where Lord Ram resides, there is Dharma. If we look at it from the perspective of the nation, we will find that Ram and the nation are not separate. The Ram Temple is not just a city; it is a sacred place. The Ram Temple in Ayodhya is a symbol of our ancient culture. It is not just Ram's temple; it is the nation's temple. We find glimpses of all the noble values of Indian culture in Lord Shri Ram. In his address, he provided information about various aspects related to the life of Lord Ram. Learning from the life of Lord Ram, the epitome of righteousness, we need to fulfill the dream of a developed India.



एक कदम स्वच्छता की ओर

सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोन नं.- 07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No. 8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009 કે તહત સ્થાપિત)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા
જનસંપર્ક અધિકારી

By Speed Post/By Email/By Hand

ભારતની આસ્થાનો આધાર છે રામ: પ્રો. રમાશંકર દુબે

- અયોધ્યામાં શ્રી રામ મંદિરની પ્રાણ પ્રતિષ્ઠા પર CUGમાં વિવિધ કાર્યક્રમોનું થયું આયોજન

ગાંધીનગર. ભારતના ધાર્મિક લોકો માટે, શ્રી રામ મંદિરના પ્રાણ પ્રતિષ્ઠાનો શુભ દિવસ લાંબા સંઘર્ષનું પરિણામ છે. વૃદ્ધ જટાયુ, માતા અહિલ્યા અને માતા શબરીએ પણ ભારતીય લોકોના મનમાં સ્થાપિત થયેલા ભગવાન શ્રી રામની રાહ જોવી પડી હતી. લગભગ 500 વર્ષના લાંબા સંઘર્ષ બાદ આપણે રામ મંદિરના નિર્માણના સાક્ષી બન્યા છીએ. આ આપણા બધા માટે ગર્વની ક્ષણ છે. તેમ ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબે કહ્યું હતું. અયોધ્યામાં રામ મંદિરની પ્રાણ પ્રતિષ્ઠાના શુભ દિવસે સોમવારે સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત (CUG) ખાતે વિવિધ કાર્યક્રમોનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. કાર્યક્રમની શરૂઆતમાં હનુમાન ચાલીસા અને શ્રી રામ સ્તુતિનું સામૂહિક પાઠ કરવામાં આવ્યું હતું. સીયુજીના વિદ્યાર્થીઓએ ભગવાન રામના ભજન રજૂ કર્યા હતા. કાર્યક્રમની વચ્ચે અયોધ્યાથી રામ મંદિર પ્રાણ પ્રતિષ્ઠાનું લાઈવ ટેલિકાસ્ટ પણ જોવા મળ્યું હતું. સાંજે, યુનિવર્સિટીના તમામ વિદ્યાર્થીઓ અને ફેકલ્ટી સભ્યોએ સેક્ટર 29 થી સેક્ટર 30 સ્થિત કેમ્પસ સુધી શોભાયાત્રા કાઢી હતી. શોભાયાત્રા બાદ સેક્ટર 30 સ્થિત પરિસરમાં ભજન સંધ્યા અને મહા આરતી કરવામાં આવી હતી. આ દરમિયાન, “રામ મંદિર-રાષ્ટ્ર મંદિર” વિષય પર મુખ્ય વક્તા તરીકે પ્રો. દુબેએ પોતાના વિચારો વ્યક્ત કર્યા હતા. તેમણે કહ્યું કે છેલ્લા સેંકડો વર્ષોની રાહ આજે પૂરી થઈ ગઈ છે. આખરે એ શુભ મુહૂર્ત આવી ગયું જેની સૌ રાહ જોઈ રહ્યા હતા. જે રીતે દેશની આઝાદી માટે સૈનિકોએ પોતાના પ્રાણનું બલિદાન આપ્યું હતું, એ જ રીતે રામ મંદિર નિર્માણનું સપનું જોનારા અનેક ભક્તોએ પણ બલિદાન આપ્યું, ત્યારે જ આપણને



एक कदम स्वच्छता की ओर

સેક્ટર-29, ગાંધીનગર-382030, ફોન નં.- 07923977407, ફેક્સ-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No. 8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009 કે તહત સ્થાપિત)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા
જનસંપર્ક અધિકારી

By Speed Post/By Email/By Hand

આ દિવસ જોવા મળ્યો. સંબોધન કરતાં તેમણે કહ્યું કે ભગવાન રામમાં સમગ્ર રાષ્ટ્રનું ચરિત્ર છે. ભગવાનના રાજ્યાભિષેકના દિવસે જ્યારે તેમને માહિતી મળી કે તેમને ચૌદ વર્ષ માટે વનમાં જવું પડશે તો તેમણે ખુશીથી સ્વીકારી લીધું.

પૂર્વ વડાપ્રધાન અટલ બિહારી વાજપેયીએ કહ્યું હતું કે ભારત કોઈ જમીનનો ટુકડો નથી, તે સંસ્કૃતિથી ભરેલું જીવંત રાષ્ટ્ર છે. આ પૂજા અને નમસ્કારની ભૂમિ છે. રામ ભારતની ધરતી પર અવતર્યા. આપણા દેશની સંસ્કૃતિ ધર્મ અને આધ્યાત્મિકતા પર આધારિત છે. આપણી સંસ્કૃતિમાં ભૌતિકવાદ અને આધ્યાત્મિકતાનો સમન્વય રહ્યો છે. ધર્મ અને મોક્ષ આપણને ધર્મ, અર્થ, કામ અને મોક્ષમાં આધ્યાત્મિકતાનું દર્શન આપે છે. આ સિવાય દુનિયામાં એવી કોઈ સંસ્કૃતિ નથી કે જે આ લોક અને પરલોક બંનેના દર્શન કરાવતી હોય. સંસ્કૃતિઓ સમય પછી સમાપ્ત થાય છે પરંતુ આપણી શાશ્વત સંસ્કૃતિનો પ્રવાહ હંમેશા ચાલુ રહ્યો છે. સમગ્ર ભારતમાં દરેક વ્યક્તિ અને દરેક કણમાં રામનો વાસ છે. ભારતની આસ્થાનો આધાર ભગવાન રામનું ચરિત્ર આપણા લોકોને ઉત્તમ વ્યક્તિત્વ બનાવવાનો સંકલ્પ કરે છે.

જ્યાં રામ ત્યાં ધર્મ

પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું કે જ્યાં રામ રહે છે ત્યાં ધર્મ છે. જો આપણે આને રાષ્ટ્રના પરિપ્રેક્ષ્યમાં જોઈએ તો આપણને જોવા મળશે કે રામ અને રાષ્ટ્ર અલગ નથી. જ્યાં રામ મંદિરનું નિર્માણ થયું છે તે શહેર નહીં પરંતુ ધામ છે. અયોધ્યાનું રામ મંદિર આપણી સનાતન સંસ્કૃતિનું પ્રતીક છે. તે માત્ર રામ મંદિર નથી પરંતુ રાષ્ટ્રનું મંદિર છે. એટલા માટે તે રામ મંદિર નહીં પરંતુ રાષ્ટ્ર મંદિર છે. ભગવાન શ્રી રામમાં ભારતીય સંસ્કૃતિના તમામ શ્રેષ્ઠ મૂલ્યોની ઝલક આપણને જોવા મળે છે. પોતાના સંબોધનમાં તેમણે ભગવાન રામના જીવન અને ચરિત્ર સાથે જોડાયેલા વિવિધ પાસાઓ વિશે



एक म्दम स्वधर्म की ओर

સેક્ટર-29, ગાંધીનગર-382030, ફોન નં.- 07923977407, ફેક્સ-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No. 8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009 કે તહત સ્થાપિત)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા
જનસંપર્ક અધિકારી

By Speed Post/By Email/By Hand

માહિતી આપી હતી. રામ જેવા મર્યાદા પુરૂષોત્તમના જીવનમાંથી શીખીને આપણે
વિકસિત ભારતનું સ્વપ્ન સાકાર કરવાનું છે. બપોરે



एक कदम स्वच्छता की ओर

સેક્ટર-29, ગાંધીનગર-382030, ફોન નં.- 07923977407, ફેક્સ-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No. 8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in



15 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand



एक कदम स्वच्छता की ओर

सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोन नं.- 07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No. 8963840032, Fax-07923260076

[Email: pro@cug.ac.in](mailto:pro@cug.ac.in), [website: www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in)





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand



With regards,

Your Truly,

Sunil sharma

Dr. Sunil Kumar Sharma
Public Relations Officer
Central University of Gujarat,
Sector-29, Gandhinagar,
Gujarat, India-382030
+918963840032

Web www.cug.ac.in

Don't print unless it's necessary.... Let's save environment.



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोन नं.- 07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No. 8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in

